

प्रेषक,

एन०एस० नपलच्चाल,  
प्रमुख सचिव  
उत्तरांचल शासन।

सेवामें,

जिलाधिकारी,  
हरिद्वार।

राजस्व विभाग

देहरादून: दिनांक: ३० नवम्बर, २००५

विषय: मै० एडप्ट लाइफ केयर को फार्मास्यूटिकल उद्योग की स्थापना हेतु तहसील रुड़की के ग्राम माधोपुर हजरतपुर में कुल ०.२३२ है० भूमि क्य करने की अनुमति प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-१९२/भूमि व्यवस्था-भूमि क्य दिनांक २४ अक्टूबर, २००५ के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय, मै०एडप्ट लाइफ केयर को फार्मास्यूटिकल उद्योग की स्थापना हेतु उत्तरांचल (उ०प्र० जर्मीदारी विनाश एंव भूमि व्यवस्था अधिनियम, १९५०) (अनुकूलन एंव उपान्तरण आदेश, २००१) (संशोधन) अधिनियम, २००३ दिनांक १५-१-२००४ की धारा-१५४(४)(३)(क)(५) के अन्तर्गत तहसील रुड़की के ग्राम माधोपुर हजरतपुर में कुल ०.२३२ है० भूमि क्य करने की अनुमति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के साथ प्रदान करते हैं:-

१- केता धारा-१२९-ख के अधीन विशेष श्रेणी का भूमिधर बना रहेगा और ऐसा भूमिधर भविष्य में केवल राज्य सरकार या जिले के कलैक्टर, जौसी भी स्थिति हो, की अनुगति से ही भूमि क्य करने के लिये आई होगा।

२- केता दैंक या वित्तीय संस्थाओं से ऋण प्राप्त करने के लिये अपनी भूमि बन्धक या दृष्टि बन्धित कर सकेगा तथा धारा-१२९ के अन्तर्गत भूमिधरी अधिकारों से प्राप्त होने वाले अन्य लाभों को भी ग्रहण कर सकेगा।

३- केता द्वारा क्य की गई भूमि का उपयोग दो वर्ष की अवधि के अन्दर, जिसकी गणना भूमि के विक्य पिलेख के पंजीकरण की तिथि से की जायेगी तथा उसके बाद ऐसी अवधि के अन्दर जिसको राज्य सरकार द्वारा ऐसे कारणों से जिन्हें लिखित रूप में अभिलिखित किया जायेगा, उसी प्रयोजन के लिये करेगा जिसके लिये अनुज्ञा प्रदान की



... (2)

गई है। यदि वह ऐसा नहीं करता अथवा उस भूमि का उपयोग जिसके लिये उरों रवीकृत किया गया था, उससे भिन्न किसी अन्य प्रयोजन हेतु करता है अथवा जिस प्रयोजनार्थ क्य किया गया था उससे भिन्न प्रयोजन के लिये विक्रय, उपहार या अन्यथा भूमि का अन्तरण करता है तो ऐसा अन्तरण उक्त अधिनियम के प्रयोजन हेतु शून्य हो जायेगा और धारा-167 के परिणाम लागू होंगे।

4— जिस भूमि का संकरण प्ररतावित है उसके भूखामी अनुसूचित जनजाति के न हों और अनुसूचित जाति के भूमिधर होने की स्थिति गें भूमि क्य रो पूर्व सावधित जिलाधिकारी से नियमानुसार अनुमति प्राप्त की जायेगी।

5— जिस भूमि का संकरण प्रस्तावित है उसके भूखामी अरक्कमणीय अधिकार वाले भूमिधर न हों।

6— आवेदक स्थापित किये जाने वाले उद्योग में उत्तरांचल के निवासियों को 70 प्रतिशत रोजगार/सेवायोजन उपलब्ध करायेगा।

कृपया तदनुसार आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(एन०एस० नपलच्चाल)

प्रमुख सचिव

### संख्या एंव तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एंव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

- 1— मुख्य राजस्व आयुक्त, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2— आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- 3— सचिव, औद्योगिक विकास विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 4— श्री मांगी लाल झंवर पुत्र श्री हजारी मल झंवर, पार्टनर नै०० एडाट लाइफ कैपर निवासी रोड न००-२१ राजीव नगर पटना।
- 5— निदेशक, एन०आई०स०१०, उत्तरांचल सचिवालय।
- 6— गार्ड फाईल।

आझे से,

(सोहन लाल)

अपर सचिव।

✓